दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 14.06.2020

आपदाएं चुनौती के साथ.साथ नए अवसर भी लेकर आती हैं – प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा

14 जून 2020 ! आपदाएं मनुष्य को एक नए प्रकार की चुनौती देती हैं।लेकिन प्रत्येक आपदा में मनुष्य बड़ी तैयारी के साथ आगे बढ़ते हैं। जैसे प्रथम विश्व युद्ध में गतिशीलता के लिए टैंक का निर्माण एवं द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान कृत्रिम धागे का निर्माण । वर्तमान समय में अपने आप को इन इन को इन इन सभी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा । इस समय हम सभी को अपनी तैयारी विशेष रूप से शिक्षण संस्थाओं को ऑनलाइन ई.कंटेंट की ओर बढ़ना होगा क्योंकि विद्यार्थी को अगर शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ना है तो इस हेतु हम सभी शिक्षकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि हम उन्हें ऑनलाइन ई.कंटेंट उपलब्ध कराएं।

इस संक्रमण काल में भारत में भी ऑनलाइन शिक्षा एक विकल्प के रूप में अपनाया जा रहा है जिसके लिए ई कंटेंट की तैयारी कर संस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। नीति निर्माताओं के समूह भी यह मानता है कि ऑनलाइन शिक्षा एक सशक्त माध्यम है और हमें इस पर आगे बढ़ना होगा। इस समय में यदि हमें अपने को प्रासंगिक बनाये रखना है तो इस दिशा में हमें आगे बढ़ना ही होगा। सेवा का एक नया प्रकल्प तैयार हो रहा है जिसमें ऑनलाइन कंटेंट तैयार करने वालों की मांग होगी ।ष्ष् उक्त विचार जूम एप्प के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के सातवें दिनसमापन सत्र के विषय ष्टिप्स ऑफ वैल्यू एडिशन एंड इफेक्टिव कम्युनिकेशन टू डेवेलोप ई.कंटेंट विषय पर प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा, रक्षाअध्यन विभाग दीं दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर ने व्यक्त किया।

उंन्होने आगे बोलते हुए कहा कि मानव संसाधन मंत्रालय की महत्वाकाक्षी योजना ई पाठशाला है एइससे आगे बढ़ते हुए ई विद्या के रूप में भी काम हो रहा है।जब हम ऑनलाइन कंटेंट का विश्लेषण करते हैं तो हम यह जान पाते हैं कि इसका प्लेटफार्म माध्यम और टूल कैसा होना चाहिएएहमारा लक्षित श्रोता क्या चाहता है इस संदर्भ में यह विचारणीय है कि नीति आयोग के एक आकण के अनुसार फरवरी 2020 तक 53 प्रतिशत नेटवर्किंग का लक्ष्य प्राप्त किया जा पाया है एऐसे में ऐसा माध्यम चुने जिसमें काम डेटा का उपयोग हो पीपीटी और पीडीएफ हमारे परिवेश में बेहतर विकल्प है।

प्रोफेसर हर्ष ने यह स्पष्ट किया कि ई.कंटेंट डेवेलप करते समय हमें होमार्क करने की आवश्यकता होती है। इस संबंध में विद्ववानों का मत है कि ई कंटेंट ऐसा हो जिससे विद्यार्थी उससे जुड़े । कोई भी प्रेजेंटेशन 15 मिनट से ज्यादा का न हो और ई कंटेंट बनाते समय एक शिक्षक की भांति सोचना होगा फिर समझना होगा कि इससे विद्यार्थी क्या सिख पायेगा और फिर विद्यार्थी के रूप में अपनी पूरी तैयारी का विश्लेषण करना होगा और उसके बाद विद्यार्थी को ये ई कंटेंट कैसा दिखेगा ये महसूस करना होगा।आखिर में एक अच्छे परामर्शदाता के रूप में स्वयं को परामर्श देना होगा। ये छोटी बातें ध्यान में रखने योग्य हैं और वीडियो व पीपीटी आदि बनाते समय यह ध्यान देना होगा कि यूज ऑफ फॉन्ट का दोष न होने पाए और अच्छा ऑनलाइन ई कंटेंट वही होता है जिसमें अपनी बात खत्म करने से पहले मुख्य बिंदुओं को पुनः स्मरण कर दिया जायए जिससे व्यख्यान का चक्र पूरा हो जाय।

डॉ राजशरण शाही आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर दिग्विजयनाथ पी जी कॉलेज गोरखपुर ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रोफण् हर्ष कुमार सिन्हा जी व जूम एपएफेसबुक लाइव और यूट्यूब लाइव से जुड़े सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के कोऑर्डिनेटर डॉ पवन कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह दिग्विजयनाथ पी जी कॉलेज, गोरखपुर ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता सहित सभी प्रतिभागियो को धन्यवाद देते हुए आभार ज्ञापित किया। उंन्होने कहा कि इस महा संकट में कंप्यूटर विज्ञान विभाग और आई.क्यू.ए.सी. को इस कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु बधाई दी व आगे भी इस प्रकार के आयोजन हेतु प्रोत्साहित भी किया। तकनीकी सहयोग श्री बृजेश विश्वकर्मा ने दिया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षक सहित अन्य महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसंपर्क

YouTube link- https://www.youtube.com/user/dnpggkp
Facebook link - https://www.facebook.com/dnpggkp